# कृषि (कला समूह)
## विषय कोड -[165]
## कक्षा 11वीं

समय 3 घंटा

पूर्णांक 100
सैद्धांतिक 75
प्रायोगिक 25

| इकाई क्रमांक | विषय सामग्री | आबंटित अंक | कालखण्ड |
|---|---|---|---|
| 01 | कृषि का सामान्य परिचय एवं जलवायु | 5 | 12 |
| 02 | मृदा एवं भू-परिष्करण | 7 | 15 |
| 03 | खाद तथा उर्वरक | 7 | 15 |
| 04 | फसलों के हानिकारक कीट, रोग एवं खरपतवार | 5 | 10 |
| 05 | फसलोत्पादन एवं भंडारण | 10 | 22 |
| 06 | उद्यान शास्त्र -I<br>(अ) सामान्य परिचय एवं प्रवर्धन (प्रसारण) विधियां।<br>(ब) अलंकृत बागवानी | 10 | 22 |
| 07 | उद्यान शास्त्र -II<br>(अ) सब्जियों की खेती<br>(ब) फलों की खेती | 13 | 26 |
| 08 | व्यावसायिक फसलों की खेती-मसाले वाली फसलें एवं मशरूम (खुम्बी) की खेती | 5 | 12 |
| 09 | फल-सब्जी परिरक्षण | 8 | 16 |
| 10. | कृषि वित्त, सहकारिता एवं कृषि विपणन | 5 | 10 |
| | पुनरावृत्ति | - | 20 |
| | **योग** | **75** | **180** |

## सैद्धांतिक विषय-वस्तु का विवरण

1. **कृषि का सामान्य परिचय एवं जलवायु** :- कृषि की परिभाषा एवं उसका भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्व, कृषि विज्ञान की शाखाओं का सामान्या परिचय, आधुनिक एवं उन्नत खेती की अवधारणा, हरित क्रांति, खेती की प्रणाली, खेती के प्रकार एवं खेती की प्रचलित विधियों का सामान्य परिचय।
कृषि जलवायु क्षेत्रों के नाम एवं विशेषतायें, जलवायु एवं मौसम की परिभाषा, मौसम के आवश्यक तत्व, मौसम की भविष्यवाणी का कृषि फसलों से संबंध। — 05 — 12

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2. | **मृदा एवं भू-परिष्करण :-**<br>**मृदा** - मृदा की परिभाषा, वर्गीकरण, संगठन, मृदा विन्यास एवं मृदा गठन, मृदा खनिज पदार्थ एवं जीवांश, आवश्यक पोषक तत्व व इसके कार्य, पोषक तत्वों की कमी के लक्षण ।<br>**भू-परिष्करण** - परिभाषा प्राथमिक एवं द्वितीयक भू-परिष्करण क्रियायें, इनके लाभ एवं हानियां, भूपरिष्करण में उपयोग में आने वाले यंत्र | 7 | 15 |
| 3. | **खाद एवं उर्वरक - कार्बनिक खाद**- संगठन, गोबर खाद, कम्पोस्ट खाद, इसके बनाने की नाडेप विधि, विभिन्न खलियां, जैविक खाद, हरी खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि का संगठन, देने का समय व विधि ।<br>**उर्वरक** :- सामान्य, संयुक्त व मिश्रित उर्वरक, जैव उर्वरक, राइजोबियम एवं एजेटो बैक्टर, नील हरित शैवाल, पी.एस.बी. एवं माइकोराईजा के प्रयोग की सामान्य जानकारी, समन्वित पोषक तत्वों का प्रबंधन । | 07 | 15 |
| 4. | **फसलों के हानिकारक कीट, रोग एवं खरपतवार** :-प्रमुख फसलों के हानिकारक कीट पौध रोग एवं खरपतवार का सामान्य परिचय, प्रकार एवं उनकी पहचान | 05 | 10 |
| 5. | **फसलोत्पादन एवं भंडारण** : - गेहूँ , अरहर, मूंगफली, एवं सोयाबीन की कृषि कार्य माला एवं पौध संरक्षण, भंडारण की विधियां एवं सावधानियां । | 10 | 22 |
| 6. | **उद्यान शास्त्र -I** :-<br>(अ) **सामान्य परिचय एवं प्रवर्धन की विधियां** :- परिचय - उद्यान शास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र महत्व व इसकी शाखायें ।<br>**प्रवर्धन** -वानस्पतिक प्रसारण की परिभाषा प्रकार एवं वर्गीकरण, विभाजन, कलम, दाब कमल, उपरोपण एवं कलिकायन व इनकी विशेषतायें । | 10 | 22 |
| 7. | **उद्यान शास्त्र - II** :-<br>(अ) **सब्जियों की खेती** :- टमाटर बैंगन, गोभी वर्गीय एवं कद्दु वर्गीय सब्जियां की कृषि कार्य माला एवं पौध संरक्षण ।<br>(ब) **फलों की खेती** :- आम, अमरूद, नींबू, केला एवं पपीता की खेती की कृषि कार्य माला एवं पौध संरक्षण । | 13 | 26 |
| 8. | **व्यावसायिक फसलों की खेती** :-<br>(अ) **मसालों वाली फसलों की खेती** :- हल्दी, मिर्ची, प्याज, अदरक, व धनिया की खेती की संक्षिप्त कृषि कार्य माला ।<br>(ब) **मशरूम** - की खेती की संक्षिप्त कृषि कार्यमाला एवं आर्थिक महत्व ।<br>(स) **रतनजोत** -की खेती की संक्षिप्त कृषि कार्यमाल एवं आर्थिक महत्व । | 05 | 12 |
| 9. | **फल-सब्जी परिरक्षण** :- फल व सब्जी परिरक्षण की परिभाषा, अर्थ, महत्व, एवं , सीमायें, परिरक्षण के सिद्धान्त एवं विधियां ।<br>**परिरक्षित पदार्थ** - जैम, जैली, स्क्वैश, चटनी, आचार एवं केचप बनाने की विधियां एवं सावधानियां । | 08 | 16 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **10.** | **<u>कृषि वित्त, सहकारिता एवं कृषि विपणन</u> : -** | **05** | **10** |
| | कृषि वित्त की परिभाषा, सीमायें, वित्त पूर्ति के प्रमुख स्रोत एवं उनके गुण एवं दोष, कृषि उत्पाद, फसलों, सब्जियों तथा फलों का विपणन, ग्रामीण सहकारिता, सहकारी विपणन समीतियाँ, बाजार की परिभाषा एवं प्रकार । | | |
| | **<u>पुनरावृत्ति</u>** | | 20 |
| | **योग 75** | **180** | |

## <u>प्रायोगिक पाठ्यक्रम</u>

**समय : 4 घंटा** — **पूर्णांक :25**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | पहचान करना (स्पॉटिंग) | 5 | 10 |
| 2. | गणना द्वारा ज्ञात करना (कोई एक)<br>1. खाद तथा उर्वरक की प्रति हैक्टेयर मात्रा<br>2. प्रति हैक्टेयर आय व्यय | 5 | 10 |
| 3. | तैयार करना (कोई एक)<br>जैम, जेली, स्क्वैश, केचप, चटनी | 4 | 08 |
| 4. | प्रदर्शन (कोई एक)<br>वानस्पतिक प्रसारण की विधि – कलम, दाब कलम, भेंटकलम, गूटी, कलिकायन, उपरोपण एवं विभाजन, | 3 | 06 |
| 5. | अभिलेख तथा हरबेरियम | 5 | 10 |
| 6. | मौखिक | 3 | 06 |
| | **योग** | **25** | **50** |

**प्रायोगिक विषय – वस्तु का विवरण**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | पाठ्यक्रम आधारित फसलों, फूलों, फलों सब्जियों तथा कृषि यंत्रों की पहचान करना । | 5 | 3 |
| 2. | प्रमुख सब्जियों, फूलों तथा फसलों के बीजों की पहचान करना । | | 2 |
| 3. | वर्षामापक, थर्मामीटर, आद्रतामापी, बैरोमीटर आदि की पहचान एवं उपयोग का अध्ययन करना । | | 2 |
| 4. | पाठ्यक्रम आधारित फसलों, फलों तथा सब्जियों के प्रमुख हानिकारक कीट, पौध रोग तथा खरपतवारों की पहचान करना एवं उनका संग्रहण करना तथा हरबेरियम बनाना । | | 3 |
| 5. | गेहूँ, अरहर, मूंगफली तथा सोयाबीन के प्रति हैक्टयर खाद एवं उर्वरक की मात्रा गणना द्वारा ज्ञात करना । | 5 | 5 |
| 6. | गेहूँ , मूंगफली तथा सोयाबीन की खेती के लिये आय व्यय की गणना करना । | | 5 |
| 7. | आम का जैम, अमरूद की जैली, नीबू का स्कवैश तथा टमाटर का केचप एवं चटनी तैयार करना । | 4 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 8. | वानस्पतिक प्रवर्धन की विधियों - कलम, दाब कलम, भेंट कलम, गूटी, कलिकायन, उपरोण तथा विभाजन का अभ्यास एवं प्रदर्शन करना । | 3 | 6 |
| 9. | पाठ्यक्रम आधारित प्रयोगों का प्रायोगिक अभिलेख तैयार करना तथा प्रमुख पौध रोगों एवं खरपतवार के हर्बेरियम तैयार करना । | 5 | 10 |
| 10. | मौखिक प्रश्नोत्तर का अभ्यास एवं पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति | 3 | 06 |
| | योग | 25 | 50 |